कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

क्रमांक: /1620/2021 भोपाल, दिनांक: 06 /12/2021

प्रति,

1- कुलसचिव, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
2- कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
3- कुलसचिव, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
4- कुलसचिव, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
5- कुलसचिव, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
6- कुलसचिव, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा।

विषय: विश्वविद्यालय में स्थापित इन्क्यूबेशन केंद्र की स्थापना, प्रगति एवं परिचालन सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा बाबत।

सन्दर्भ: 1. कार्यालय, आयुक्त, उच्च शिक्षा का आदेश क्रमांक 835/वि.वै.प./2021; दिनांक 10.05.2021।

--00--

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के बिंदु क्रमांक 11.6 के अंतर्गत राज्य के 6 विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना की जानी है तथा प्रतिवर्ष 25 नवोन्मेषी विचारों/स्टार्ट-अप्स को पोषित किया जाना है। इस कार्य की सतत देख रेख हेतु प्रमुख सचिव महोदय के अनुमोदन से एक समिति का गठन कार्यालय, आयुक्त उच्च शिक्षा द्वारा जारी आदेश क्रमांक 835/वि.वै.प./2021; दिनांक 10.05.2021 द्वारा किया गया है। इस समिति के सम्मुख उपरोक्त समस्त 6 विश्वविद्यालयों के नोडल अधिकारियों द्वारा इन्क्यूबेशन के क्षेत्र में हुई प्रगति तथा भविष्य की कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण दिनांक: 09.12.2021 को अप. 3.00 बजे गूगल मीट पर ऑनलाइन किया जाना निर्धारित किया गया है। कृपया अपने विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन केंद्र नोडल अधिकारी को आवश्यक पी.पी.टी. के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रस्तुतिकरण तथा चर्चा हेतु ऑनलाइन उपस्थित होने हेतु निर्देशित करें।

(दीपक सिंह)
अपर आयुक्त
उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल, म. प्र.

पृ. क्रमांक /1621/2021 भोपाल, दिनांक 06 / 12 /2021

प्रतिलिपि :-

1. निज सचिव, प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग की ओर सूचनार्थ।
2. डॉ. डी.पी.सिंह एवं डॉ. अनिल पाठक, वि.क.अ., मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग; कुलसचिव, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल तथा डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल, संचालक, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल की ओर सूचनार्थ एवं बैठक में उपस्थित रहने के अनुरोध के साथ।

अपर आयुक्त
उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल, म. प्र.

दिनांक 09.12.2021 को आयोजित राज्य इन्क्यूबेशन समिति की बैठक का कार्यवाही विवरण

कार्यालय, आयुक्त के पत्र क्रमांक: दिनांक के परिपालन में दिनांक 09.12.2021 को अपर आयुक्त श्री दीपक सिंह जी की अध्यक्षता में आयोजित राज्य इन्क्यूबेशन समिति की बैठक में निम्न सदस्यगण उपस्थित रहे:

1. डॉ. अनिल पाठक, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल
2. डॉ. डी.पी. सिंह, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल
3. डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल, संचालक, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
4. श्री आई.के. मंसूरी, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
5. डॉ. शशिरंजन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
6. डॉ. नवनीत सिंह चटवाल, जागरण लेक यूनिवर्सिटी, भोपाल
7. श्री रोनाल्ड फरनान्डेज़, रविन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी, भोपाल
8. श्री योगेश खाकरे, स्मार्टसिटी, भोपाल
9. श्री रवि, इन्क्यूबेशन मास्टर्स
10. डॉ. एस.के. तिवारी, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
11. डॉ. रामजी यादव, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
12. डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
13. डॉ. ब्रह्मदत्त शुक्ला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
14. डॉ. कमलेश दशोरा, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
15. श्री संकल्प श्रीवास्तव, पी.डब्ल्यू.सी.
16. सुश्री दिव्या पिल्लई, पी.डब्ल्यू.सी.
17. सुश्री देवान्शी शर्मा, इन्क्यूबेशन मास्टर्स

इनके अतिरिक्त ऑनलाइन माध्यम से जबलपुर, रीवा तथा ग्वालियर के अधिकारी बैठक में उपस्थित हुए|

बैठक का शुभारम्भ अपर आयुक्त महोदय श्री दीपक सिंह जी के उद्बोधन से प्रारम्भ हुआ| उद्बोधन के पश्चात विभिन्न विश्वविद्यालयों के इन्क्यूबेशन केंद्र प्रभारियों द्वारा उनकी अभी तक की उपलब्धियों पर ऑनलाइन तथा ऑफलाइन मोड में प्रस्तुतिकरण दिया गया| यह विदित हुआ कि सभी 6 चिन्हित राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा उनके विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना कर ली गयी है एवं विभिन्न क्षेत्रों में नवोन्मेषी विचारों को चिन्हित किये जाने एवं स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित किये जाने का कार्य जारी है| विभिन्न प्रभारियों द्वारा दिए गए प्रस्तुतिकरण के आधार पर निम्न बिंदु निकल कर आये:

1. सामान्यतः सभी विश्वविद्यालयों द्वारा उनके इन्क्यूबेशन केन्द्रों में मानव संसाधन की आवश्यकता पर बल दिया गया| सम्बंधित प्रभारियों द्वारा अनुरोध किया गया कि शासन द्वारा इन्क्यूबेशन केन्द्रों हेतु

मानव संसाधन की व्यवस्था हेतु दिशा-निर्देश जरी किये जाने उचित होंगे| अपर आयुक्त महोदय ने इस बिंदु पर पृथक से बैठक कर विचार किये जाने के निर्देश दिए|

2. बैठक को संबोधित करते हुए आयुक्त महोदय ने निर्देशित किया कि समस्त इन्क्यूबेशन केंद्र आपस में सामंजस्य स्थापित कर कार्य करें जिससे एक-दूसरे के संसाधन एवं विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सके|
3. आयुक्त महोदय द्वारा यह सुझाव दिया गया कि समस्त 6 विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों एवं नोडल अधिकारियों का 2/3 दिवसीय प्रशिक्षण प्रशासन अकादमी में आयोजित कर उनके लिए विशेषज्ञ व्याख्यानों, परिचर्चा एवं भोपाल के प्रमुख इन्क्यूबेशन केन्द्रों का भ्रमण आयोजित किया जाए|
4. आयुक्त महोदय द्वारा समस्त नोडल अधिकारियों को प्रदेश एवं देश के अन्य सुस्थापित इन्क्यूबेशन केन्द्रों से संपर्क स्थापित कर उनसे सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त किये जाने के निर्देश दिए गए|

(आयुक्त, उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित)

06.01.22

(डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल)

सदस्य सचिव
राज्य इन्क्यूबेशन सेण्टर समिति

DIRECTOR,
INSTITUTE FOR EXCELLENCE
IN HIGHER EDUCATION
BHOPAL-462016

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

क्रमांक: 68 / आई.टी /2022 भोपाल, दिनांक: 28/01/2022

प्रति,

1. कुलसचिव, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
2. कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
3. कुलसचिव, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
4. कुलसचिव, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
5. कुलसचिव, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
6. कुलसचिव, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा |

विषय: विश्वविद्यालय में स्थापित इन्क्यूबेशन केंद्र द्वारा किये गए कार्य की समीक्षा बाबत|

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के बिंदु क्रमांक 11.6 के अंतर्गत राज्य के 6 विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना की गयी हैं जिनके अंतर्गत प्रतिवर्ष 25 नवोन्मेषी विचारों/स्टार्ट-अप्स को पोषित किया जाना है| इस सन्दर्भ में राज्य स्तरीय देख-रेख समिति कि बैठक दिनांक 09.12.2021 को आयोजित की जा चुकी है| समस्त सम्बंधित विश्वविद्यालयों द्वारा अपने निकटस्थ स्मार्टसिटी इन्क्यूबेशन केन्द्रों के साथ MoU कर एवं आपस में सामंजस्य स्थापित कर लक्षित कार्य किया जाना अपेक्षित है|

इस सम्बन्ध में अभी तक की प्रगति की समीक्षा दिनांक 31.01.2022 अपराह्न 4.30 बजे ऑनलाइन माध्यम से अपर मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में की जायेगी| बैठक में सम्बंधित विश्वविद्यालयों के नोडल अधिकारियों द्वारा चिन्हित स्टार्ट-अप्स, नवोन्मेषी विचार एवं उनके पल्लवन हेतु किये गए प्रयासों एवं भविष्य की कार्ययोजना अधिकतम 5 स्लाइड्स में 5 मिनट में प्रस्तुत की जाएगी| ऑनलाइन मीटिंग हेतु लिंक विश्वविद्यालयों को ई-मेल एवं व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराई जायेगी| बैठक में सम्बंधित विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा कुलसचिव से भी उपस्थित रहने का अनुरोध है|

(अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा द्वारा निर्देशित)

(डॉ. अनिल राजपूत)
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल

पृ. क्रमांक: 69/आई.टी /2022 भोपाल,दिनांक:28/01/2022

प्रतिलिपि:

1. निज सचिव, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग की ओर सूचनार्थ |
2. डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल, संचालक, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल एवं नोडल अधिकारी, इंडिकेटर 11.6 की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक संयोजन हेतु|
3. प्रभारी, आई.टी. सेल, उच्च शिक्षा संचालनालय की ओर विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु|

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय
सतपुड़ा भवन भोपाल

क्रमांक 71 / /आई टी/आउशि/2022 भोपाल, दिनाँक 31 / 01 /2022

प्रति,

1. कुल सचिव, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल
2. कुल सचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर
3. कुल सचिव, देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय इंदौर
4. कुल सचिव, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर
5. कुल सचिव, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन
6. कुल सचिव, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा

विषय:- विश्वविद्यालय में स्थापित इन्क्यूबेशन केंद्र द्वारा किए गए कार्य की समीक्षा के संबंध में।

संदर्भ :- कार्यालयीन पत्र क्र. 68/74/आउशि/आई.टी./2022 भोपाल दिनांक 28/01/2022

.....0.....

विषय एवं संदर्भ अंतर्गत लेख है कि आज दिनांक 31/01/2022 को आयोजित होने वाली बैठक अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 01 फरबरी 2022 को समय दोपहर 3:30 पर आयोजित की जाएगी।

31-01-22

(डॉ. अनिल राजपूत)
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा, विभाग

कार्यालय, शिक्षाउच्च ,आयुक्त ,
सतपुडा भवन462004-भोपाल ,

क्रमांक 133/75 /आउशि/आईटी/2022 भोपाल दिनांक 15 ,फरवरी, 2022

प्रति

कुलपति
नोडल अधिकारी/कुलसचिव/

1 देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर।
2 जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
3 विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।
4 रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर।
5 बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल।
6 अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा।

<u>विषय:- इन्क्यूबेशन केन्द्रों की समीक्षा हेतु दिनांक 01.02.2022 को आयोजित बैठक का कार्यवाही विवरण।</u>

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 6 विश्वविद्यालयों में प्रारम्भ किये गए इन्क्यूबेशन केन्द्रों की कार्यप्रणाली एवं प्रगति की समीक्षा करने हेतु वैठक दिनांक 01.02.2022 को अपर मुख्य सचिव महोदय श्री शैलेन्द्र सिंह जी की अध्यक्षता सम्पन्न हुई| इस अवसर पर आयुक्त, उच्च शिक्षा श्री दीपक सिंह, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा कुलसचिव गण एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे | बैठक के प्रारम्भ में अपर मुख्य सचिव महोदय ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में स्थापित इन्क्यूबेशन केन्द्रों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है एवं इनके सुव्यवस्थित संचालन से ही अपेक्षित परिणाम प्राप्त हो सकेंगे| उन्होंने विभिन्न नोडल अधिकारियों को उनके इन्क्यूबेशन केन्द्रों की आधारभूत संरचना एवं केंद्र की कार्यपद्धति को प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देशित किया।

विश्वविद्यालयों द्वारा निम्नानुसार प्रस्तुतिकरण दिया गया:

1. **देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर**
   नोडल अधिकारी डॉ. शशि प्रकाश ने वताया कि उनके इन्क्यूबेशन केंद्र में स्टार्ट-अप्स तथा नवीन विचारों वाले विद्यार्थियों हेतु मीटिंग प्लेस एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्रों में कुछ उपकरण उपलब्ध हैं| इस केंद्र में वर्तमान में 5 स्टार्ट-अप्स पर कार्य प्रगति पर हैं तथा उनके विश्वविद्यालय में सीड मनी का आवंटन भी किया गया है |
   अपर मुख्य सचिव महोदय द्वारा इन्हें आवश्यक अधोसंरचना तथा मेंटर समूह के निर्धारण के निर्देश दिए गए।
2. **जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर**
   नोडल अधिकारी डॉ. साधना श्रीवास्तव ने जानकारी प्रदान की कि उनके केंद्र हेतु भवन के साथ-साथ केन्द्रीय प्रयोगशाला, फ़ूड टेक्नोलॉजी तथा हर्बल प्रोडक्ट्स को विकसित करने हेतु आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध है। उनके द्वारा अभी तक केंद्र द्वारा किये गए विभिन्न प्रयासों का संक्षिप्त परिचय भी प्रदान किया गया।
3. **विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन**
   नोडल अधिकारी डॉ. उमेश सिंह द्वारा जानकारी प्रदान की गयी कि विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग में इन्क्यूवेशन केंद्र की स्थापना की गयी है। इस विभाग के समस्त संसाधनों का उपयोग करते हुए विभागीय शिक्षकों की विशेषज्ञता मेंटर के रूप में ली जा रही हैं। इस केंद्र में वर्तमान में 9 स्टार्ट-अप कार्य कर रहे हैं एवं 2 विद्यार्थियों को सीड राशि प्रदान की गयी है।

4. रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

प्रो. सरदूल सिंह संधू द्वारा जानकारी प्रदान की गयी कि इन्क्यूवेशन केंद्र हेतु 1500 वर्गफुट का स्थान आवंटित किया गया है जिसपर भवन के निर्माण का कार्य आगामी एक माह में पूर्ण होने की संभावना है। विश्वविद्यालय द्वारा सीड राशि के रूप में 10 लाख रुपये की राशि का आवंटन किया गया है।

5. बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रो. अनिल प्रकाश द्वारा बताया गया कि इन्क्यूवेशन केंद्र हेतु 2000 वर्गफुट की जगह में 6 कमरे उपलब्ध हैं तथा विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी विभाग के साथ ही परिसर में स्थित विभिन्न तालाबों का उपयोग भी स्टार्टअप्स द्वारा प्रयोग किया जा रहा है। इन्क्यूवेशन केंद्र द्वारा कुछ मेंटर भी चिन्हित किये गए हैं।

6. अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा

प्रो. अतुल पाण्डे द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार इन्क्यूवेशन केंद्र हेतु 2000 वर्गफुट का स्थान आवंटित किया गया है जिसमें एल्युमीनियम पार्टीशन करके कक्ष उपलब्ध कराये गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा स्टार्ट-अप्स तथा इन्क्युबेटर्स की सहायता हेतु 50 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई गयी है।

अपर मुख्य सचिव ने सभी को संबोधित करते हुए निम्न सुझाव दिए:

1. सभी इन्क्यूवेशन केन्द्रों से सम्बंधित अधिकारियों द्वारा नीति आयोग के इनोवेशन केन्द्र तथा अटल टिंकरिंग लैब से सम्बंधित जानकारी का अध्ययन किया जाना चाहिये। इससे सभी को इन्क्यूवेशन केन्द्रों की वास्तविक कार्यप्रणाली एवं आवश्यक सुविधाओं का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
2. सभी को स्टार्टअप इंडिया की वेवसाइट से इन्क्यूवेशन केन्द्रों से सम्बंधित जानकारी का अवलोकन कर मेंटर लिस्ट, लर्निंग मोड्यूल, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, आदर्श इन्क्यूवेशन केंद्र में आवश्यक सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। स्टार्टअप इंडिया एक्शन प्लान को डाउनलोड कर इन्क्यूवेशन सेंटर पर उपलब्ध कराएं।
3. चयनित 10/20 विद्यार्थियों को स्टार्ट-अप इंडिया के लर्निंग मॉडयूल की सहायता से इन्क्यूवेशन, स्टार्ट-अप तथा उद्यमिता से सम्बंधित जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। सम्बंधित इन्क्यूवेशन केन्द्रों के प्रभारियों के अतिरिक्त अन्य मेंटर्स भी जोड़े जाने चाहिए। इसके लिए प्रदेश तथा देश के विशेषज्ञों से संपर्क कर मेंटर्स की सूची तैयार की जानी चाहिए। मेंटर की सूची में बैंकिग सेक्टर के सेवानिवृत्त अधिकारी, वैज्ञानिक ,सी ए , आदि को भी सम्मिलित करें।
4. इन्क्यूवेशन तथा स्टार्ट-अप की प्रक्रिया में इच्छुक स्टार्टअप का प्रथमतः मेंटर से संपर्क कराया जाता है। यदि मेंटर परामर्श देते हैं कि प्रस्तावित स्टार्ट-अप विकसित किये जाने योग्य है तब उसे इन्क्यूवेशन केंद्र में पंजीकृत किया जाता है एवं कार्य हेतु स्थान तथा सुविधायें उपलब्ध कराई जाती हैं। आवश्यकतानुसार प्रोडक्ट के विकास हेतु सीड राशि उपलब्ध कराई जा सकती है। इसके पश्चात इंडस्ट्री से टाई-अप करते हुए अपेक्षित प्रोडक्ट का विकास करते हुए उसके वाजारीकरण का कार्य किया जाता है।
5. समस्त इन्क्यूबेशन केन्द्रों से सम्बंधित अधिकारियों को हैदरावाद, तेलंगाना के टी-हब; आई.आई.टी. चेन्नई के शोध केंद्र; आई.आई.एम., अहमदावाद; आई.आई.टी., मुंबई जैसे सु-स्थापित इन्क्यूवेशन केन्द्रों के तत्काल भ्रमण का परामर्श प्रदान किया गया। उनके अनुसार इन केन्द्रों के भ्रमण से इन्क्यूवेशन केन्द्रों की मूल भावना एवं आदर्श कार्यप्रणाली का परिचय प्राप्त किया जा सकेगा।

वैठक में वरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. आर.जे. राव तथा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलसचिव डॉ. सुरेन्द्र सिंह द्वारा भी अपने विचार प्रकट किये गए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि संबंधितों द्वारा तेलंगाना के टी-हव या अन्य संस्थाओं के भ्रमण के पश्चात वैठक कर पुनः इस विषय पर चर्चा की जायेगी।

इस वैठक में उच्च शिक्षा संचालनालय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. अनिल राजपूत तथा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के संचालक तथा प्रभारी नोडल अधिकारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

(सोनाली पोंक्षे वायंगणकर)
आयुक्त, उच्च शिक्षा
मध्यप्रदेश शासन

पृ क्रमांक|34 / 175 /आउशि/आईटी/2022 भोपाल दिनांक 15 फरवरी, 2022

प्रतिलिपि:-

1 निज सहायक, माननीय मंत्रीजी, उच्च शिक्षा।
2 वरिष्ठ स्टाफ आफिसर, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
3 संवंधित विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मंत्रालय/आयुक्त, उच्च शिक्षा कार्यालय, भोपाल।

(सोनाली पोंक्षे वायंगणकर)
आयुक्त, उच्च शिक्षा
मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

क्रमांक: 171 भोपाल, दिनांक: 2.3.2022

प्रति,

1. कुलसचिव, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
2. कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
3. कुलसचिव, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
4. कुलसचिव, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
5. कुलसचिव, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
6. कुलसचिव, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा |

विषय: **विश्वविद्यालयीन इन्क्यूबेशन केन्द्रों द्वारा किये जाने वाले कार्य |**

माननीय मंत्री महोदय, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में दिनांक 23.02.2022 को आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार जिन विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना की गयी है उनके द्वारा NITI आयोग से इन केन्द्रों हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रस्ताव तैयार कर प्रेषित किया जाना है | सम्बंधित विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि वे यह प्रस्ताव तैयार कर दिनांक 15.03.2022 तक प्रेषित करें एवं एक प्रति इस कार्यालय को उपलब्ध करायें| इसके साथ ही पूर्व में संपन्न बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में विश्वविद्यालय निम्न कार्यवाही भी सुनिश्चित करें:

1. इन्क्यूबेशन केन्द्रों द्वारा उनके अधिकाधिक उपयोग हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना
2. एम.एस.एम.ई. विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर युवाओं हेतु नयी स्टार्ट-अप नीति को अंगीकृत करते हुए इन्क्यूबेशन केन्द्रों का अधिकतम उपयोग किया जाना
3. इन्क्यूबेशन केन्द्रों से सम्बंधित अधिकारियों द्वारा NITI आयोग के अटल इनोवेशन केन्द्र तथा टिंकरिंग लैब से सम्बंधित जानकारी का अध्ययन किया जाना
4. स्टार्टअप इंडिया की वेबसाइट से इन्क्यूबेशन केन्द्रों से सम्बंधित जानकारी का अवलोकन कर मेंटर लिस्ट, लर्निंग मोड्यूल, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, आदर्श इन्क्यूबेशन केंद्र में आवश्यक सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जाना
5. चयनित 10/20 विद्यार्थियों को स्टार्ट-अप इंडिया के लर्निंग मोड्यूल की सहायता से इन्क्यूबेशन, स्टार्ट-अप तथा उद्यमिता से सम्बंधित जानकारी प्राप्त करवाना
6. प्रदेश तथा देश के विशेषज्ञों से संपर्क कर मेंटर्स की सूची तैयार की जाना
7. समीपस्थ स्मार्टसिटी के इन्क्यूबेशन केन्द्रों के साथ परस्पर सहयोग हेतु MoU किया जाना
8. कुलसचिवों तथा इन्क्यूबेशन केन्द्रों से सम्बंधित नोडल अधिकारियों द्वारा हैदराबाद, तेलंगाना के टी-हब; आई.आई.टी. चेन्नई के शोध केंद्र; आई.आई.एम., अहमदाबाद; आई.आई.टी., मुंबई जैसे सु-

स्थापित इन्क्यूबेशन केन्द्रों का भ्रमण कर उनकी कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जाना| इस प्रकार के भ्रमण में कुलपतिगणों द्वारा भी सहभागिता की जा सकती है|

इस प्रकार के भ्रमण हेतु संयोजन कुलसचिव, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा तथा अधिकारियों के यात्रा तथा शासकीय नियमानुसार अन्य व्ययों की प्रतिपूर्ति उनके सम्बंधित विश्वविद्यालयों द्वारा की जायेगी| यह भ्रमण इस पत्र के जारी किये जाने की दिनांक से 15 कार्यदिवसों में पूर्ण कर इस कार्यालय को सूचित किया जाए|

9. नवीन स्टार्ट-अप तथा नवोन्मेषी विचारों का चिन्हांकन कर उन्हें यथोचित सहायता प्रदान करना

उपरोक्त बिन्दुओं पर की गयी कार्यवाही से इस कार्यालय को दिनांक 15.03.2022 तक अवगत कराया जाना सुनिश्चित किया जाए|

डॉ. अनिल राजपूत

वि.क.अ, उच्च शिक्षा
उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल

पृ. क्रमांक: 172 भोपाल,दिनांक: 2-3-2022

प्रतिलिपि:

1. निज सचिव, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग की ओर सूचनार्थ |
2. प्रभारी, आई.टी. सेल, उच्च शिक्षा संचालनालय की ओर विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु |

वि.क.अ, उच्च शिक्षा
उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल